भजन

तर्ज–खुदा करे के मोहब्बत मे वो मुकाम आये

पिया मेरे तेरी रूहों को अब ना कुछ भाये
तुम्ही कहो कि यहां कैसे अब रहा जाये

1–कोई समझ न सके रुह के,इस फसाने को
कहूं क्या दर्द मैं दिल का, इस जमाने को
दिया है तूने इसे, तू ही तो समझ पाये

2–जो खोये रहते हमेशा, तेरे अंगों में
रंगें वो रहते अर्श के, नये रंगों में
रहे वो कैसे के जब याद, तेरा अंग आये

3–निगाहें इश्क नशा तेरा, जहां पे ना उतरे
न भूलें तुमको पिया, याद जहां हम न करें
रहें हम एक मेरे लब पे जुदा ना नाम आये